संख्या–**cm-464**
23/07/2026

कौशल विकास से बिहार की बेटियां हुनरमंद होंगी, आत्मनिर्भर होंगी और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनायेंगी :– मुख्यमंत्री

मुख्य बिंदु :–

- बिहटा के सिंकदरपुर में 99.97 करोड़ रूपये की लागत से 4 एकड़ भूमि पर बननेवाले राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (महिला), पटना के स्थाई परिसर का मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास।
- कौशल विकास से समृद्ध बिहार की मजबूत नींव रखी जाएगी। बिहार की बहनें, बेटियां स्किल्ड होकर देश को आगे बढ़ायेंगी। कौशल विकास का उद्देश्य युवाओं को केवल रोजगार पाने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला बनाना है।
- वर्ष 2047 तक प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में देश के स्किल्ड युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी के समृद्ध बिहार के सपने को पूरा करने के लिये बिहार के युवा संकल्पित हैं।

पटना 23 जुलाई 2026 :– मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार से बिहटा के सिंकदरपुर में राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (महिला), पटना के स्थाई परिसर का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि आज राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (महिला), का सिकंदरपुर, बिहटा में शिलान्यास किया गया है। कार्यक्रम स्थल पर मुझे भी उपस्थित होना था लेकिन खराब मौसम के कारण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ा हूँ। बिहार की बेटियों के लिये कौशल विकास प्रशिक्षण का एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। आज बिहारवासियों के लिये महत्वपूर्ण दिन है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास से बिहार की बेटियां हुनरमंद होंगी, आत्मनिर्भर होंगी और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनायेंगी। आज का शिलान्यास कार्यक्रम सिर्फ भवन का निर्माण नहीं बल्कि बिहार की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने, आत्मनिर्भर बनने तथा आत्मविश्वास का अवसर उपलब्ध करायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कौशल विकास ही समृद्ध बिहार की मजबूत नींव है। युवाओं, विशेषकर महिलाओं को आधुनिक तकनीकी कौशल से सशक्त बनाकर ही समृद्ध बिहार और विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा सकता है। प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में कौशल विकास को नई गति मिली है। महिलायें आगे बढ़ रही हैं।

महिलाओं को सक्षम बनाने के लिये प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में कई कार्य किये जा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी ने बिहार में महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिये कई कार्य किये हैं। भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर जी के नाम पर जननायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय का निर्माण कराया जा रहा है। राज्य सरकार युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, तकनीकी शिक्षा तथा रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य में लगभग 1,500 कौशल प्रशिक्षण केंद्र संचालित हैं। लगभग 12 लाख युवाओ को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। अभी 1 लाख 38 हजार युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में 38 इंजीनियरिंग कॉलेज तथा 46 पॉलिटेक्निक संस्थान कार्यरत हैं। बिहार के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज मात्र 10 रूपये के शुल्क पर गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा उपलब्ध करा रहे हैं। पॉलिटेक्निक संस्थान में मात्र 5 रूपये के शुल्क पर बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को भी उच्च तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है तथा राज्य में कुशल मानव संसाधन तैयार हो रहा है। इंजीनियरिंग कॉलेज एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों में लैंग्वेज लैब की भी स्थापना की गयी है, जहां छात्र जापानी, जर्मन, फ्रेंच आदि भाषायें सीख रहे हैं। उन्होंने कहा कि कौशल विकास का उद्देश्य केवल युवाओं को नौकरी के लिए तैयार करना नहीं है, बल्कि उन्हें ऐसा सक्षम बनाना है कि वे स्वयं उद्यम स्थापित कर दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (महिला), पटना का स्थायी परिसर महिलाओं के कौशल विकास, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण का एक प्रमुख केंद्र बनेगा तथा समृद्ध बिहार के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री आरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्किल इंडिया मिशन की शुरूआत की और इसके लिये उन्होंने अलग मंत्रालय बनाया। वर्ष 2047 तक प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में देश के स्किल्ड युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी के समृद्ध बिहार के सपने को पूरा करने के लिये बिहार के युवा संकल्पित हैं। आज के कार्यक्रम के लिये केन्द्र सरकार तथा बिहार सरकार के सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हैं। युवाओं के भविष्य के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम काफी महत्वपूर्ण साबित होगा। बिहार की बहनें, बेटियां स्किल्ड होकर देश को आगे बढ़ायेंगी।

कार्यक्रम के दौरान बिहार सरकार और भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के बीच स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (SIIC) की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन (एम0ओ0यू0) पर हस्ताक्षर और आदान–प्रदान भी किया गया। इसे बिहार के युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण देकर विदेशों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (महिला) की स्थापना का उद्देश्य राज्य की युवतियों को आधुनिक तकनीकी एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर उन्हें हुनरमंद और रोजगार योग्य बनाना है। अब तक बिहार की अनेक युवतियों को ऐसे प्रशिक्षण के लिए दूसरे राज्यों का रुख करना पड़ता था, लेकिन संस्थान के स्थायी परिसर के निर्माण के बाद उन्हें अपने ही राज्य में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध होगा। संस्थान के निर्माण के लिए बिहार सरकार ने चार एकड़ भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराई है, जबकि भवन निर्माण पर करीब 99.97 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग, श्री जयंत चौधरी का संदेश भी सुनाया गया।

कार्यक्रम में युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के मंत्री श्री अरूण शंकर प्रसाद ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान बिहटा के सिंकदरपुर में राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (महिला), पटना के स्थाई परिसर के निर्माण कार्य से संबंधित एक वीडियो फिल्म दिखायी गयी।

इस अवसर पर युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के मंत्री श्री अरूण शंकर प्रसाद, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव श्री लोकेश कुमार सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे, जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षण निदेशालय कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार के महानिदेशक श्री दिलीप कुमार, युवा, रोजगार एवं कौशल विकास, बिहार के सचिव श्री कौशल किशोर, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशक श्री हरिकेश मीणा एवं नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग, बिहार के निदेशक श्री सुनील कुमार सहित अन्य केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार के वरीय पदाधिकारीगण, गणमान्य व्यक्ति एवं विद्यार्थीगण जुड़े थे।

****